अनुक्रमणिका

अनुक्रमणिका

1. प्रथम अध्याय - सूर्यबाला: व्यक्तित्व एवं कृतित्व।

1.1. व्यक्तित्व।

1 1 1 जीवन परिचय - जन्म तथा बचपन, माता-पिता, शिक्षा-दीक्षा, परिवार, अर्थोपार्जन।

1 1 2 व्यक्तित्व - बाह्य, आंतरिक - मिलनसार वृत्ति, संवेदनशीलता, भावुकता, आदरातिथ्य, हॅसमुख, रूचियॉ।

1 1 3. साहित्यिक प्रेरणाएँ।

1 1.4 पुरस्कार।

1 1.5 यात्राएँ।

1.2. कृतित्व।

1 2 1 उपन्यास।

1 2 2. कहानी संग्रह।

1 2 3. व्यंग्य संग्रह।

1 2 4 अन्य साहित्य।

निष्कर्ष।

2. द्वितीय अध्याय - 'दीक्षांत' और 'अग्निपंखी' उपन्यासों की कथावस्तु का विवेचन।

2.1. कथावस्तु का स्वरूप।

2 1 1 कथावस्तु के गुण - मौलिकता, संभाव्यता, प्रबंध-कौशल्य, सुगठन, रोचकता।

2.2. कथावस्तु।

निष्कर्ष।

3. तृतीय अध्याय - 'दीक्षांत' और 'अग्निपंखी' उपन्यासों में पात्र-चरित्र चित्रण।

3.1. पात्र: विभाजन, गुण और चित्रण-प्रणाली।

3.1 1 पात्रों का विभाजन - प्रमुख, सहायक, गौण।

3 1.2 पात्रों की विशेषताएँ एवं गुण - अनुकूलता, स्वाभाविकता, सप्राणता, सहृदयता, मौलिकता।

3 1 3 चरित्र चित्रण की प्रणालियॉ - वर्णन प्रणाली, संवाद प्रणाली।

3.2. विवेच्य उपन्यासों के पात्रों का चरित्र-चित्रण।

3 2 1 प्रमुख पात्र।

3 2 2 सहायक पात्र।

3 2.3. गौण पात्र।

3.3. विवेच्य उपन्यासों में चरित्र-चित्रण की प्रणालियॉ - वर्णन, संवाद प्रणाली।

निष्कर्ष।

4. चतुर्थ अध्याय - 'दीक्षांत' और 'अग्निपंखी' उपन्यासों में चित्रित समस्याएँ।

4.1 शैक्षिक समस्याऍ।

4 1.1. अध्यापक जीवन की दयनीयता।

4 1.2 सम्मानहीन - शिक्षक पेशा।

4 1 3 अध्यापक वर्ग की आपसी जलन।

4 1 4 गलत शिक्षा प्रणाली।

4 1 5 नौकरी में अस्थिरता।

4 1 6 परीक्षा पद्धति का अवमूल्यन।

4 1 7 विद्यार्थियों की उद्दंडता।

4.2. पारिवारिक समस्याऍ।

4 2.1 संयुक्त परिवार का विघटन।

4 2.2 बॅटवारा और भाईजनों का संघर्ष।

4 2.3 सास-बहू का संघर्ष।

4 2.4 पीढीगत मान्याताओं की टकराहट।

4.2.5. रिश्ता निभाने की समस्या।

4.3. सामाजिक समस्याएँ।

4 3 1. अर्थाभाव की समस्या।

4 3.2. बुढापे की समस्या।

4 3 3. झूठी प्रतिष्ठा का लबादा।

4 3 4. अंधविश्वास की समस्या।

4 3 5 वैद्यों की मक्कारी।

4 3.6 नगरोन्मुखता के दुष्परिणाम -

(1) आवास की समस्या।
(2) मानवीयता का ऱ्हास।

निष्कर्ष।

5. पंचम अध्याय - 'दीक्षांत' और 'अग्निपंखी' उपन्यासों में कथोपकथन और भाषाशैली।

5.1. कथोपकथन।

5.1 1 कथोपकथन के गुण।

5.2. भाषाशैली।

5.2.1. भाषा।

5.2.1 1 शब्दप्रयोगों के रूप।

5 2 1 2 भाषा के रूप।

5 2 1 3. भाषासौंदर्य के साधन।

5 2 2 शैली।

5 2 2.1. वर्णनात्मक शैली।

5 2.2 2 विवरणात्मक या विश्लेषणात्मक शैली।

5 2 2 3 आंचलिक शैली।

5 2 2 4 मनोविश्लेषणात्मक शैली।

5.2 2.5. काव्यात्मक शैली।

निष्कर्ष।

उपसंहार।

संदर्भ ग्रंथ सूची।